SHRIRAM SEEDS
PRIVATE LIMITED

श्रीराम सीड्स प्रा॰ लि॰

272, नई धान मंडी, श्रीगंगानगर - 335001(राज.)

मक्का की फसल उत्पादन हेतु आवश्यक सुझाव

SHRIRAM SEEDS
PRIVATE LIMITED

किस्में

हाइब्रिड बीज : SMH-1118

SHRIRAM SEEDS
PRIVATE LIMITED

भूमि चयन

हाइब्रिड मक्का की खेती के लिए गहरी, उपजाऊ और अच्छी जल निकासी वाली दोमट से मध्यम दोमट मिट्टी सबसे ज़्यादा उपयुक्त मानी जाती है। जलभराव वाली ज़मीन मक्का के लिए नुकसानदायक होती है, क्योंकि इससे जड़ और तने की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। मिट्टी का सबसे अच्छा pH रेंज 6.5 और 7.5 के बीच होता है।

SHRIRAM SEEDS
PRIVATE LIMITED

बुवाई का समय

मक्का की बुवाई खरीफ के मौसम में जून के आखिरी हफ़्ते से जुलाई के बीच तक की जाती है। सिंचित इलाकों में, बुवाई मॉनसून से पहले या पहली बारिश के साथ की जा सकती है, जबकि असिंचित इलाकों में, बुवाई तभी करनी चाहिए जब पर्याप्त बारिश हो जाए।

SHRIRAM SEEDS
PRIVATE LIMITED

बीज दर

हाइब्रिड मक्के के लिए, प्रति हेक्टेयर लगभग 12-16 किलोग्राम बीज काफी होता है। सही मात्रा में बीज डालने से पौधों की सही संख्या बनी रहती है और बेहतर पैदावार होती है।

SHRIRAM SEEDS
PRIVATE LIMITED

बीज उपचार

यह बीज उपचारित होता है, अन्य बीज बोने से पहले उन्हें फफूंदनाशी से ट्रीट करना चाहिए ताकि बीज और मिट्टी से होने वाली बीमारियों से बचाया जा सके। इससे कीटों के हमले की संभावना भी कम हो जाती है।

SHRIRAM SEEDS
PRIVATE LIMITED

बुवाई-विधि

मक्का की बुवाई पंक्तियों में करनी चाहिए। पंक्ति से पंक्ति के बीच लगभग 60 सेंटीमीटर और पौधे से पौधे के बीच 20-25 सेंटीमीटर की दूरी आदर्श होती है। बीजों को 4-5 सेंटीमीटर की गहराई पर बोना चाहिए।

SHRIRAM SEEDS
PRIVATE LIMITED

सिंचाई-प्रबंधन

हाइब्रिड मक्का अधिक पानी की आवश्यकता वाली फसल है। वर्षा के अभाव में फुटाव अवस्था, फूल निकलने (टैसलिंग), भुट्टा बनने और दाना भरने की अवस्था पर सिंचाई अत्यंत आवश्यक होती है। जलभराव से बचाव जरूरी है।

SHRIRAM SEEDS
PRIVATE LIMITED

खरपतवार नियंत्रण

बुवाई के 20-25 दिन बाद खरपतवार निकालना और निराई-गुड़ाई करना ज़रूरी है। शुरुआती स्टेज में खरपतवारों को कंट्रोल न करने से पैदावार में काफी कमी आ सकती है।

SHRIRAM SEEDS
PRIVATE LIMITED

खाद एवं उर्वरक प्रबंधन (प्रति एकड़)

क्रमांक	उर्वरक का नाम	मात्रा (प्रति एकड़)	देने का समय	देने की विधि
1	गोबर की सड़ी खाद (FYM)	4–5 टन	बुवाई से पहले	अंतिम जुताई में खेत में अच्छी तरह मिलाएँ
2	डीएपी (DAP)	50 किग्रा	बुवाई के समय	बुवाई के साथ या अंतिम जुताई में मिलाएँ
3	यूरिया	100 किग्रा	आधा बुवाई के समय, आधा पहली सिंचाई के बाद	ड्रिल द्वारा / टॉप ड्रेसिंग
4	एमओपी (पोटाश)	20 किग्रा	बुवाई के समय	डीएपी के साथ मिलाकर दें
5	जिंक सल्फेट	10 किग्रा	बुवाई के समय	ड्रिल द्वारा या मिट्टी में मिलाएँ

SHRIRAM SEEDS
PRIVATE LIMITED

मक्के में लगने वाले हानिकारक कीट और उनका नियंत्रण।

क्रम संख्या	कीट का नाम	मुख्य लक्षण	प्रबंधन/नियंत्रण उपाय
1	**तना छेदक (Stem Borer)**	पत्तियों में छेद, बीच की पत्ती का सूखना (डेड हार्ट)	क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% SC @ 150 ml/एकड़ या कार्बोफ्यूरान 3G @ 10 kg/एकड़
2	**फॉल आर्मीवर्म (Fall Armyworm)**	पत्तियों पर अनियमित छेद, भूरा मल, कमजोर पौधा।	इमेमेक्टिन बेंजोएट 5% SG @ 80 ग्राम/एकड़ या स्पिनोसाड 45% SC @ 60 मिली/एकड़
3	**कटवर्म (Cutworm)**	यह छोटे पौधों को ज़मीन के करीब से काट देता है।	क्लोरोपायरीफॉस 20% EC @ 1 लीटर/एकड़ सिंचाई के साथ।
4	**दीमक (Termite)**	पौधा सूख रहा है, जड़ें और तना खोखले हो रहे हैं।	बीज उपचार: इमिडाक्लोप्रिड 600 FS @ 8–10 ml/kg बीज
5	**एफिड / माहू (Aphid)**	पत्तियों पर चिपचिपा पदार्थ, पत्तियां पीली पड़ रही हैं।	थियामेथोक्साम 25% WG @ 40 ग्राम/एकड़
6	**जड़ माहू (Root Aphid)**	पौधे कमज़ोर हैं, और उनकी ग्रोथ रुक गई है।	फिप्रोनिल 5% SC @ 400 मिली/एकड़
7	**भृंग / व्हाइट ग्रब (Beetle / White grub)**	जड़ें बढ़ रही हैं, पौधे मुरझा रहे हैं	क्लोरपाइरीफॉस 20% EC @ 2 लीटर/एकड़

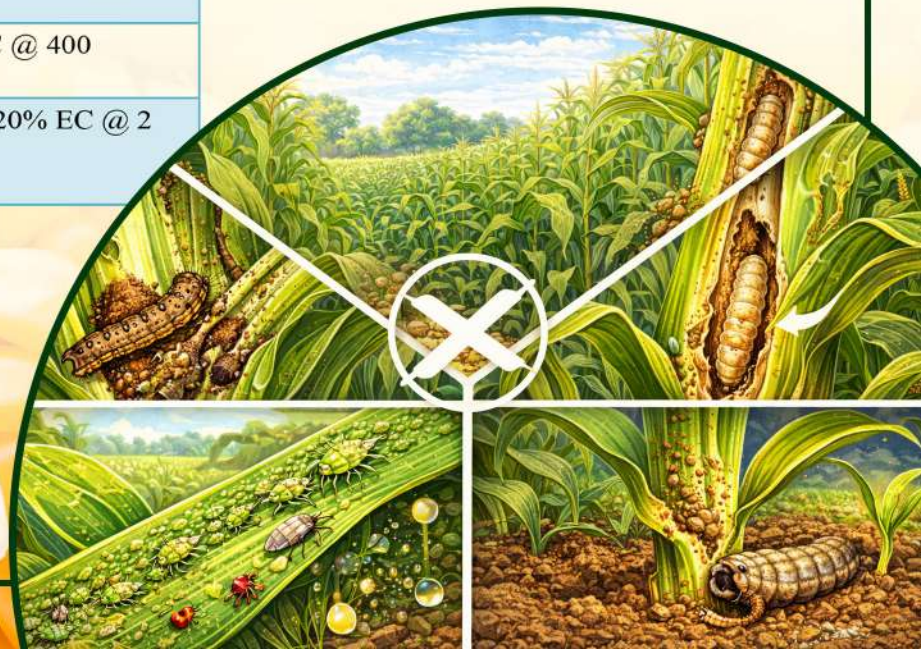

SHRIRAM SEEDS
PRIVATE LIMITED

मक्का के रोग और उनका प्रबंधन

क्रम संख्या	रोग का नाम	मुख्य लक्षण	प्रबंधन/नियंत्रण उपाय
1	**डाउनी मिल्ड्यू (Downy Mildew)**	पत्तियों पर पीली धारियाँ, सफ़ेद फफूंदी, पौधे का विकास रुक जाना।	बीज उपचार: मेटालेक्सिल 35% WS @ 6 ग्राम/किलो बीज
2	**लीफ ब्लाइट (Leaf Blight)**	पत्तियों पर काले-भूरे धब्बे।	मैनकोज़ेब 75% WP @ 500 ग्राम/एकड़ या प्रोपिकोनाज़ोल 25% EC @ 200 मिली/एकड़
3	**लीफ स्पॉट (Leaf Spot)**	छोटे, गोल, भूरे धब्बे	कार्बेन्डाजिम 50% WP @ 250 ग्राम/एकड़
4	**रस्ट (Rust)**	पत्तियों पर जंग जैसे भूरे धब्बे।	हेक्साकोनाज़ोल 5% EC @ 200 मिली/एकड़
5	**तना सड़न (Stem Rot)**	तना नरम है, पौधा गिर रहा है।	खेत में जल निकासी में सुधार करें, और ट्राइकोडर्मा @ 2.5 किलोग्राम/एकड़ डालें।
6	**बैंडेड लीफ व शीथ ब्लाइट**	पत्तियों और तने पर भूरे रंग के घेरे।	वैलिडामाइसिन 3% L @ 500 मिली/एकड़
7	**कॉब रॉट (Cob Rot)**	सड़ा हुआ , खराब दानों वाला भुट्टा।	फसल के अवशेष हटा दें, और कार्बेन्डाजिम 50% WP @ 250 ग्राम/एकड़ डालें।
8	**चारकोल रॉट (Charcoal Rot)**	जड़ व तने में काली राख जैसी परत	संतुलित सिंचाई, ट्राइकोडर्मा का प्रयोग

SHRIRAM SEEDS
PRIVATE LIMITED

टिप्पणी

इस पत्रक में दी गई फ़सल उत्पादन की सलाह कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों, कृषि विशेषज्ञों, प्रगतिशील किसानों और सरकारी कृषि वैज्ञानिकों के रिसर्च और अनुभव पर आधारित है। फ़सल या किस्म की पैदावार सिर्फ़ बीज पर ही निर्भर नहीं करती, बल्कि मिट्टी की स्थिति, खाद, सिंचाई, मौसम और दूसरे कृषि कारकों पर भी निर्भर करती है। अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में नतीजे अलग-अलग हो सकते हैं। इसलिए, किसानों को स्थानीय परिस्थितियों, संबंधित कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों या कृषि विशेषज्ञों की सलाह और अपने अनुभव के आधार पर खेती के फ़ैसले लेने चाहिए।